International Journal of Academic Excellence and Research (IJAER)
ISSN: 3107-3913(Online)
Vol. 01, No. 02, April-June, 2025, pp 46-51
© Copyright by MGM Publishing House (MGMPH)
www.mgmpublications.com

उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन

मधु धाकड़[1*] | डॉ. संजय कुमार केडिया[2]

[1]शोधकर्त्री, शिक्षा विभाग, आई.आई.एस. (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर, राजस्थान।
[2]विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, आई.आई.एस. (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर, राजस्थान।

[*]**Corresponding author:** madhurawat8503@gmail.com

Citation: धाकडमधु, & केडियासंजय कुमार. (2025). उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन. International Journal of Academic Excellence and Research, 01(02), 46–51. https://doi.org/10.62823/mgm/ijaer/01.02.75

सारः *सोशल मीडिया वर्तमान में संचार का सबसे बड़ा माध्यम बन रहा है। यह मूल रूप से कम्प्यूटर या मानव संचार या जानकारी के आदान–प्रदान करने से जुड़ा होता है। यह व्यक्तियों और समुदायों को साझा करने में सक्षम बनाता है। इंटरनेट आधारित सूचना के आदान–प्रदान करने की प्रक्रिया के माध्यमों को सोशल मीडिया कहा जाता है। इसका उपयोग सामाजिक संबंध के अलावा उपयोगकर्त्ता सामग्री के संशोधन के लिए, उच्च पारस्परिक मंच बनाने के लिए, मोबाईल और वेब आधारित प्रौद्योगिकियों के प्रयोग के रूप में भी देखा जा सकता है। वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी में सोशल मीडिया के कारण सूचनाओं का आदान प्रदान, मंनोरजन तथा लोगों को शिक्षित करना संभव हो गया है। वर्तमान समय में सोशल मीडिया ने मानवीय मूल्यों, जीवन मूल्यों तथा विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों के विकास में योगदान दिया है। इसका उपयोग सकारात्मक और नकारात्मक दोनों दिशाओं में किया जा सकता है। सोशल मीडिया एक ओर मानवीय मूल्यों के संवर्द्धन में सहायक सिद्ध हो रहा है, वही दूसरी ओर भ्रामक सूचनाऐं, अशान्ति, घृणा, शारीरिक समस्याऐं भी उत्पन्न कर रहा है।*

Article History:
Received: 14 June 2025
Accepted: 25 June, 2025
Published: 30 June, 2025

शब्दकोशः
उच्च माध्यमिक विद्यालय, विद्यार्थी, व्यक्तिगत मूल्य, सोशल मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी।

प्रस्तावना

शिक्षा ने मनुष्य को सामाजिक मान्यताओं के अनुसार विकसित करने में अमूल्य योगदान दिया है। शिक्षा मानव जीवन के विकास की वह प्रक्रिया है जो शैशवावस्था से लेकर प्रौढ़ावस्था तक चलती रहती है। शिक्षा का अर्थ आन्तरिक शक्तियों, क्षमताओं तथा गुणों का विकास करना है। प्लेटो ने शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास की प्रक्रिया को ही शिक्षा के रूप में परिभाषित किया है। शिक्षा ज्ञान, उचित आचरण, तकनीकी दक्षता तथा विद्या आदि को प्राप्त करने की प्रक्रिया को कहा जाता है। शिक्षा द्वारा मानव व्यवहार में परिवर्तन होता है तथा मनुष्य सभ्य तथा सुसंस्कृत जीवन व्ययतीत करता है।

डम्बिल के शब्दों में – ''शिक्षा के व्यापक अर्थ के अन्तर्गत वे सभी प्रभाव सम्मिलित होते हैं जो मानव को बाल्यावस्था से लेकर मृत्यु पर्यन्त तक प्रभावित करते हैं।''

[*] *Copyright © 2025 by Author's and Licensed by MGM Publishing House. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

मूल्य वे प्रेरणात्मक तत्व है जो मनुष्य की भावनाओं को विशेष दिशा देते हैं, जीवन को नियंत्रित करते हैं, तथा जीवन के सभी पहलूओं जैसे– विचार, संवेग आदि को प्रभावित करते हैं। मूल्य वस्तुतः एक ऐसी आचार संहिता है जिसे व्यक्ति अपने संस्कारों तथा पर्यावरण के माध्यम से अपनाकर निश्चित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अपनी जीवन शैली का निर्माण करता है। मूल्य एक अमूर्त प्रत्यय है। जिसका संबंध मनुष्य के भावात्मक पक्ष से होता है।

जॉन जे.काने के अनुसार – "मूल्य वे आदर्श, विश्वास या मानक है जिन्हें समाज के अधिकांश सदस्य ग्रहण किए हुए होते हैं।"

व्यक्तिगत मूल्य वे मूल सिद्धान्त है जिनके आधार पर कोई व्यक्ति अपना जीवन जीता है। व्यक्तिगत मूल्य जीवन की इच्छाओं को प्रभावित करते है तथा व्यवहार को निर्धारित करते हैं। ये मूल्य किसी व्यक्ति के विचारों, कार्यों और निर्णयों को प्रभावित करते हैं। व्यक्तिगत मूल्यों में स्वावलंबन, स्वच्छता, ईमानदारी, श्रम–प्रतिष्ठा, निर्भयता, प्राणीदया, अनुशासनप्रियता, धार्मिक विश्वास, नैतिक अभिवृत्ति, जीवन दर्शन, राजनैतिक आदर्श सम्मिलित होते हैं।

व्यक्तिगत मूल्यों के अन्तर्गत निम्नलिखित 10 मूल्य सम्मिलित किए गये है:–

- धार्मिक मूल्य
- सामाजिक मूल्य
- प्रजातांत्रिक मूल्य
- सौन्दर्यात्मक मूल्य
- आर्थिक मूल्य
- ज्ञानात्मक मूल्य
- सुखवादी मूल्य
- प्रभाव मूल्य
- पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य
- स्वास्थ्य मूल्य

कॉर्ल रोजर्स (1969) "व्यक्तिगत मूल्य व्यक्ति की वह प्रकृति है जो वरीयता को दर्शाता है।"

सोशल मीडिया मूल रूप से कम्प्यूटर या मानव संचार या जानकारी के आदान–प्रदान से जुड़ा होता है। सोशल मीडिया या सामाजिक माध्यम से आशय पारस्परिक संबंध के लिए अर्न्तजाल या अन्य माध्यमों द्वारा निर्मित आभासी समूहों से है। यह लोगों को एक दूसरे से जोडे रखने के लिए विस्तृत आधार प्रदान करता है। सोशल मीडिया में माई स्पेस (2003), फेसबुक (2004), यूट्यूब (2005), स्नैप चैट (2011), इंस्टाग्राम (2010), गूगल+ (2011) आदि शामिल है। अतः लोग आपस में बातचीत करने के लिए, सम्पर्क बढ़ाने के लिए या अपने पसंदीदा सामग्री और सूचनाओं का आदान–प्रदान करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते है।

समस्या कथन

उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

हुसैन महमूद और रसेल (2016) ने "ए कम्पेरेटिव स्टडी बिटविन दी लर्निंग स्टाईल ऑफ यूजर और नॉन यूजर्स स्टूडेन्ट्स ऑफ सोशल मीडिया एट एलीमेन्ट्री स्कूल लेवल : ए कम्परीजन एट लाहौर सिटी" अध्ययन किया। 100 सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और 100 गैर उपयोगकर्त्ताओं का सरल यादृच्छिक विधि द्वारा चयन

करने, सांख्यिकीय रूप से विश्लेषण करके निष्कर्ष निकाला गया कि सोशल मीडिया की पढ़ाई के प्रति छात्र की लापरवाही के रुप में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं है। यह भी पाया गया कि पढ़ाई से संबंधित सामग्री खोजने में सोशल मीडिया विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त उपयोगी है तथा समूह अध्ययन को भी बढ़ावा देता है। **मलिक और नेहा (2020)** ने पूर्व सेवा शिक्षकों के शैक्षणिक प्रदर्शन, चिंता और सामाजिक बुद्धि के संबंध में सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन किया था। इस अध्ययन में 221 पूर्व सेवा शिक्षकों का यादृच्छिक प्रतिचयन तकनीक द्वारा न्यादर्श के रुप में चयन किया गया। टी–टेस्ट द्वारा आंकडों का विश्लेषण किया, यह भी पाया गया कि पूर्व सेवा शिक्षकों के सोशल मीडिया प्रभाव तथा शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच कोई सार्थक अन्तर नहीं है। जब चिन्ता को मापा गया तो यह ज्ञात हुआ कि उत्तरदाता सोशल मीडिया की अनुपलब्धता के कारण ऊब, थकान, आलस्य, निराशा चिढचिड़ापन महसूस कर रहे थे।

सोलंकी, वाई (2020) ने अपने अध्ययन शीर्षक "दी स्टडी ऑफ पर्सनल वैल्यूज अमंग गवर्नमेन्ट सैक्टर एम्पलॉईज एण्ड प्राइवेट सैक्टर एम्पलॉईज" नामक अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों तथा निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के व्यक्तिगत मूल्यों के संहसंबंध का पता लगाना था। इसके लिए गुजरात राज्य के विभिन्न इलाकों से कुल 240 लोगों को समान रूप से सरल यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श के रूप में चुना गया। निष्कर्षो से ज्ञात हुआ कि व्यक्तिगत मूल्य समान है और सरकारी क्षेत्र तथा निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, तथा सरकारी क्षेत्र के तथा निजी क्षेत्र महिला और पुरुष कर्मचारियों के व्यक्तिगत मूल्यों के बीच कोई महत्त्वपूर्ण अन्तर नहीं है। **महतो, एस.य अधिकारी, एस. और गोप, एम., सी. (2021)** ने पुरुलिया जिले के उच्च शिक्षा के छात्रों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन किया। निष्कर्षो से ज्ञात हुआ कि उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों ने सुखवादी मूल्य, शक्ति मूल्य, सौन्दर्यात्मक मूल्य, पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य और स्वास्थ्य मूल्य को मध्यम मूल्य व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने लोकतांत्रिक, सामाजिक तथा ज्ञानात्मक क्षेत्रों में अपने उच्च मूल्यों को दिखाया लेकिन उन्होंने आर्थिक तथा धार्मिक आयामों में कम स्कोर किया।

शोध का उद्देश्य

उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना

उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि को प्रयुक्त किया गया है।

शोध के चर

- **स्वतंत्र चर :** सोशल मीडिया
- **आश्रित चर :** व्यक्तिगत मूल्य

शोध की जनसंख्या

प्रस्तुत शोध में जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया है।

शोध का न्यादर्श

जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11 व 12 के 480 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में सरल यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के संग्रहण हेतु निम्न प्रमापीकृत उपकरणों का प्रयोग किया गया है–

- व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली– डॉ. जी.पी.शैरी तथा प्रो. आर.पी. वर्मा।
- सोशल मीडिया– स्व–निर्मित जांच सूची।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, सहसंबंध गुणांक (पियर्सन का गुणन–आघुर्ण विधि) का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण और व्याख्या

सारणी: उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर सोशल मीडिया का प्रभाव

चर		N (संख्या)	M (मध्यमान)	r (सहसंबंध गुणांक)
व्यक्तिगत मूल्य	धार्मिक मूल्य	480	11.92	-0.09
	सामाजिक मूल्य	480	12.38	-0.03
	प्रजातांत्रिक मूल्य	480	13.10	0.04
	सौदर्यात्मक मूल्य	480	11.88	0.09
	आर्थिक मूल्य	480	11.61	0.07
	ज्ञानात्मक मूल्य	480	12.93	0.02
	सुखवादी मूल्य	480	11.68	0.02
	प्रभाव मूल्य	480	11.09	-0.04
	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	480	11.60	-0.05
	स्वास्थ्य मूल्य	480	11.77	-0.02
सोशल मीडिया		480	135.72	

उपरोक्त सारणी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर सोशल मीडिया के प्रभाव को दर्शाती है। सारणी के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य और सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान – 0.09 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह स्पष्ट करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी के आधार पर उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य और सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान–0.03 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह प्रदर्शित करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के प्रजातांत्रिक मूल्य और सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.04 ज्ञात हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है। जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के प्रजातांत्रिक मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी के अनुसार 480 विद्यार्थियों के सौंदर्यात्मक मूल्य एवं सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.09 है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है। जो यह स्पष्ट करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के सौंदर्यात्मक मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य तथा सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.07 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है और जो यह निरूपित करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

उपर्युक्त सारणी के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक मूल्य एवं सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.02 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है। जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्य और सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.02 ज्ञात हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है जो यह स्पष्ट करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

उपरोक्त सारणी में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के प्रभाव मूल्य एवं सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.04 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह प्रदर्शित करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के प्रभाव मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी में 480 विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य तथा सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.05 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

उपरोक्त सारणी में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य एवं सोशल मीडिया के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.02 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून ऋणात्मक श्रेणी का है। जो यह स्पष्ट करता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध का परिणाम एवं निष्कर्ष

सारणी से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों पर सोशल मीडिया का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

अतः यह कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के विभिन्न व्यक्तिगत मूल्य सोशल मीडिया से प्रभावित नहीं होते है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. एम. रॉकी. : दी नेचर ऑफ ह्यूमन वैल्यूज ''द फ्री प्रेस न्यूयार्क 1973 पृ.सं. 315
2. बेस्ट, हैनरी ई. (1996) : शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकीय प्रयोग, कल्याणी पब्लिशर्स, लुधियाना।
3. ओबेराय, एस.सी. 2008 : शैक्षिक तकनीक आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
4. गुप्ता, एस.पी. (2006) सांख्यिकीय विधियां, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
5. विनोद कुमार अर्त्री (2005): भारत में शिक्षा का विकास, सुमित एन्टरप्राइजेज, नई दिल्ली।
6. अस्थाना विपिन (2011) शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
7. पाण्डेय, के.पी. (2015) : शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी।
8. आहुजा, आर. (2016) : रिसर्च मैथ्ड, रावत पब्लिकेशन्स, न्यू दिल्ली।

9. पाठक, पी.डी. (2016) : शिक्षा के मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य, विनोद पुस्तक मंदिर।

10. शर्मा, आर. ए. (2015) : शिक्षा अनुसंधान, सूर्या पब्लिकेशन्स, मेरठ।

11. मंगल, एस.के. (2009): शिक्षा मनोविज्ञान, पी.एच. आई, लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, प्रकाशन, नई दिल्ली।

12. श्रीवास्तव, डी. एल. (2009): अनुसंधान विधियाँ, साहित्य प्रकाशन, आगरा।

13. लाल, रमन बिहारी एवं पलोड़, सुनीता (2013): शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

14. पाण्डेय, के.पी. (2015): शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

15. आहुजा, आर. (2016) : रिसर्च मैथ्ड़, न्यू दिल्लीः रावत पब्लिकेशन।

16. पाठक, पी.डी. (2016) : शिक्षा के मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य, विनोद पुस्तक मन्दिर।

17. Mahato, S., Adhikari, S.Grope, M.C. (2021), ' A probe into personal values of the students of higher education of Purulia: International Journal for Research in Applied Science & Engineering Technology (IJRASET), Vol. 9, Issue https://www.academia.edu/44839534/

18. Solanki, Y. (2020), A study of Personal values among government sector employees and private sector Employees. Enternational Journal of Indian Psychology 8(1) 993-996.

19. Hussian, T., Mahmood, Z and Rasel, M. (2016), "A comparative study between the learning style of user or non user students of social media at Elementary School level. Bulletin of Education and Research, 38(2) 203-209.

20. Malik and Neha (2020): A study on Impact of Social Media in Relation to Academic Performance, Anxiety and Social Intelligence of Learners," Ph.D. Thesis, Amity University, Uttar Pradesh, India.

❑❑❑